

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 31 मई, 2021

### हर्दी पत्रकारता दविस

देश भर में प्रत्येक वर्ष 30 मई को 'हर्दी पत्रकारता दविस' मनाया जाता है। यह दविस भारतीय पत्रकारों खासतौर पर हर्दी भाषी पत्रकारों के लयि काफी महत्त्वपूर्ण है, साथ ही यह दविस समाज के वकिस में पत्रकारों के योगदान और पारदर्शता तथा उत्तरदायित्व नर्धारण में उनकी भूमिका को रेखांकित करता है। 30 मई, 1826 में पंडति युगल कशोर शुक्ल ने हर्दी के प्रथम समाचार पत्र 'उदंत मारतण्ड' के प्रकाशन का शुभारंभ कयिा था। 'उदंत मारतण्ड' का शाब्दिक अर्थ है 'समाचार-सूर्य'। 'उदंत मारतण्ड' का प्रकाशन प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को कयिा जाता था। पुस्तकाकार में छपने वाले 'उदंत मारतण्ड' के केवल 79 अंक ही प्रकाशति हो सके और दसिंबर, 1827 में वतितीय संसाधनों के अभाव में इसका प्रकाशन बंद हो गया। इस समाचार पत्र में बरज और खड़ी बोली दोनों भाषाओं के मशरति रूप का प्रयोग कयिा जाता था, जसिे इस पत्र के संचालक 'मध्यदेशीय भाषा' कहते थे। कानपुर के रहने वाले पंडति युगल कशोर शुक्ल पेशे से एक वकील थे और औपनवशिक ब्रिटिश भारत में कलकत्ता में वकील के तौर पर कार्य कर रहे थे। इतहिसकार पंडति युगल कशोर शुक्ल को भारतीय पत्रकारता का जनक मानते हैं। वही बंगाल से हर्दी पत्रकारता की शुरुआत का श्रेय राजा राममोहन राय को दयिा जाता है। हर्दी पत्रकारता ने इतहिसा में एक लंबा सफर तय कयिा है। 1826 ई. में पंडति युगल कशोर शुक्ल ने जब पत्रकारता की शुरुआत की थी, तब यह कल्पना करना मुश्कलि था कि भारत में पत्रकारता भवषिय में इतना लंबा सफर तय करेगी।

### वशिव तंबाकू नषिध दविस

प्रत्येक वर्ष 31 मई को वशिव स्वास्थय संगठन (WHO) और वैश्विक साझेदारों द्वारा वशिव तंबाकू नषिध दविस (WNTD) मनाया जाता है। इस दविस के आयोजन का प्राथमिक उद्देश्य तंबाकू के हानिकारक उपयोग एवं प्रभाव के वषिय में जागरूकता फैलाना तथा कसिी भी रूप में तंबाकू के उपयोग को हतोत्साहति करना है। सर्वप्रथम 1987 में वशिव स्वास्थय सभा ने 7 अपरैल, 1988 को 'वशिव धूम्रपान नषिध दविस' के रूप में आयोजति करने हेतु प्रस्ताव पारति कयिा था। इसके पश्चात् वर्ष 1988 में प्रतविरष 31 मई को 'वशिव तंबाकू नषिध दविस' मनाने का आहवान करते हुए प्रस्ताव पारति कयिा गया। इस वारषिक उत्सव के आयोजन का उद्देश्य न केवल तंबाकू के उपयोग के खतरों के बारे में लोगों को जागरूकता करना है, बलकतंबाकू कंपनयिों की वयावसायिक प्रथाओं के वकिस को भी हतोत्साहति करना है। वर्ष 2021 के लयि इस दविस की थीम है- 'कमटि टू क्वटि'। वशिव स्वास्थय संगठन की मानें तो धूम्रपान करने वाले लोगों में कोवडि-19 से गंभीर संक्रमण और मृत्यु का खतरा 50 प्रतशित तक अधिक होता है। इसके अलावा तंबाकू गंभीर और घातक स्थतियिों जैसे कि हृदय रोग एवं फेफड़ों में कैंसर आदिके मुख्य कारणों में से एक है।

### 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि फाउंडेशन' के नाम में परविरतन

जल्द ही प्रसारकों की सर्वोच्च संस्था 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि फाउंडेशन' (IBF) का नाम बदलकर 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि एंड डजिटिल फाउंडेशन' (IBDF) कयिा जाएगा। ज्ञात हो कि सभी डजिटिल ओवर-द-टॉप स्ट्रीमिंग फर्मों को वनियिमति करने हेतु डजिटिल प्लेटफॉर्म को कवर करने के लयि 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि फाउंडेशन' के दायरे का वसितार कयिा जा रहा है। 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि एंड डजिटिल फाउंडेशन' द्वारा डजिटिल मीडिया से संबंधति सभी मामलों को संभालने के लयि एक नई पूर्ण स्वामतिव वाली अनुषंगी कंपनी का नरिमाण कयिा जाएगा। सरकार द्वारा अधसिचति सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती संस्थाओं हेतु दशिया-नरिदेश और डजिटिल मीडिया आचार संहति) नयिम, 2021 के अनुसार फाउंडेशन एक स्व-नयिमक नकिया का भी गठन कयिा जाएगा। वर्षों से 'इंडयिन ब्रॉडकास्टगि फाउंडेशन' ने एक मज़बूत प्रसारण कषेत्र का नरिमाण करने के लयि सरकार को अनुसंधान-आधारति नीति और नयिमक प्रदान करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभिाई है, जो भारतीय मीडिया और मनोरंजन कषेत्र के लयि काफी महत्त्वपूर्ण है। सरकार ने इस वर्ष फरवरी माह में डजिटिल और ओवर-द-टॉप प्लेटफॉर्म के वनियिमन के लयि त्रसितरीय तंत्र की शुरुआत कर अपने नयितरण को मज़बूत कयिा था।

### संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकि अंतरराष्टरीय दविस

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रतविरष 29 मई को 'संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकि अंतरराष्टरीय दविस' के रूप में मनाया जाता है। इस दविस का मुख्य उद्देश्य शांति स्थापना के लयि शहीद हुए सैनिकिों को याद करना एवं उनका सम्मान करना है। आधिकारिक सूचना के मुताबकि, बीते वर्ष वभिनिन अभियानों में संयुक्त राष्ट्र के 130 शांति सैनिकिों ने अपनी जान गँवाई थी और वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों की शुरुआत से अब तक 4000 लोग मारे जा चुके हैं। ज्ञात हो कि पहले संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन का गठन 29 मई, 1948 को कयिा गया था जब 'संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद' ने मध्य पूर्व में संयुक्त राष्ट्र के सैन्य पर्यवेक्षकों की एक छोटी टुकड़ी की तैनाती को अधिकृत कयिा था। यह दविस वर्ष 2003 में पहली बार मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार, प्रत्येक सदस्य राष्ट्र वैश्विक शांति के लयि अपने संबंधति हसिसे का भुगतान करने के लयि कानूनी रूप से बाध्य है। स्थानीय समुदायों का समर्थन करने के साथ-साथ शांति सैनिकिों को कोवडि-19 महामारी के प्रभावों से भी जूझना पड़ा रहा है।

